CCI NG 3.7 Product: HelloDelhiBS PubDate: 10-01-2026 Zone: HelloDelhi Edition: 2 Page: HDFP User: cci Time: 01-09-2026 17:18 Color:

नवभारत टाइम्स NBT Delhi Times OF INDIA masala mix
SATURDAY, JANUARY 10, 2026
ADVERTORIAL, ENTERTAINMENT, PROMOTIONAL FEATURE

अनीत ने बनाई फोर्ब्स अंडर 30 में अपनी जगह
देखें अंदर

'मैं बेटी इनाया को बिगाड़ता हूं, सोहा सुधारती है'
देखें अंदर

अभिव्यक्ति के सातवें संस्करण ने अहमदाबाद को बनाया कला का लोकप्रिय इनक्यूबेशन हब

यूएनएम फाउंडेशन - टोरेंट समूह की अध्यक्षा और अभिव्यक्ति की पथदर्शी सपना मेहता, कार्यक्रम के सातवें संस्करण पर

यूएनएम फाउंडेशन - टोरेंट समूह के अभिव्यक्ति ने अपने सातवें संस्करण में कला को लोकप्रिय बनाना और पूरे भारत के कलाकारों और दर्शकों का स्वागत करना जारी रखा है। सपना मेहता सातवें संस्करण की सफलता, कार्यक्रम के कुछ दिल को छू लेने वाले पलों और भविष्य के संस्करण की दृष्टि के बारे में बात कर रही हैं।

सातवें संस्करण की मुख्य उपलब्धियां क्या थीं?

अभिव्यक्ति का ध्येय था कला को सबके लिए सुलभ बनाना। पिछले कुछ समय से अहमदाबाद में कला सिर्फ कुछ खास लोगों तक ही सीमित रह गई है। इसलिए हम कला को सभी तक पहुंचाना चाहते थे। आज जब हम सभी स्तर के लोगों को अभिव्यक्ति में एक साथ कला प्रदर्शन का आनंद लेते हुए देखते हैं, तो हमें गर्व महसूस होता है। पूरे भारत भर से कलाकार इसमें हिस्सा ले रहे हैं। लोग हमें बताते हैं कि उन्होंने अपनी यात्राएं इस तरह योजनाबद्ध की ताकि वे अभिव्यक्ति के दौरान अहमदाबाद में रह सकें। कला की यही समावेशिता और पहुंच हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि है।

आपके दिल को छू लेने वाला क्या कोई पल था?

बहुत सारे! इस वर्ष मैंने स्ट्रॉलर में बच्चों के साथ आई माताओं को देखा, उन इंजीनियरिंग छात्रों को देखा जिनकी कला-यात्रा अभिव्यक्ति के पहले संस्करण से शुरू हुई और जो आज स्वयं कलाकार हैं, मोटराइज्ड व्हीलचेयर पर बैठे बुजुर्गों को, पालतू जानवरों के साथ आने वाले लोगों को और ऐसे डॉक्टरों को भी, जो कहते हैं कि ये पंद्रह दिन उन्हें पूरे वर्ष की ऊर्जा प्रदान करते हैं। कुछ लोग वहां खाना लाकर शाम बिताते हैं और वातावरण व दर्शकों के उत्साह से ऊर्जावान महसूस करते हैं। दर्शकों की सुरक्षा के लिए मेडिकल सहायता से लेकर अग्निशमन और पुलिस विभाग तक की व्यवस्था की गई जिससे उन्हें लगता है कि उनकी परवाह की जाती है।

क्या आप अक्सर दर्शकों से मिलती-जुलती हैं?

हां, मुझे दर्शकों के बीच रहना बहुत पसंद है। अभिव्यक्ति टीम का हिस्सा होने के नाते, मैं कार्यक्रम स्थल पर कार्यक्रम के वक्त मौजूद रहती हूं। हम एक ही मार्गदर्शक तत्व पर काम करते हैं: दर्शक सर्वोपरि हैं। इसे ध्यान में रखते हुए हम हर साल उनके अनुभवों को और अधिक बेहतर बनाने के बारे में लगातार सोचते रहते हैं।

अब जब यह कार्यक्रम इतना बड़ा हो गया है, तो भविष्य के लिए क्या परिकल्पना है?

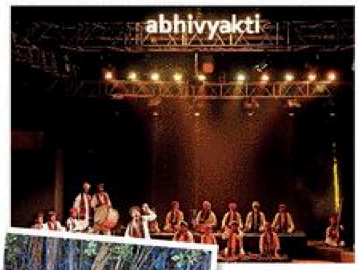

हम हमेशा मूल्यांकन करते रहते हैं - पहले चुनौतियों का, फिर सकारात्मक बातों का। इस साल हमने प्री-रजिस्ट्रेशन शुरू किया, जो कुछ हद तक सफल हुआ, परंतु साथ ही हमें पता है कि इसमें और क्या सुधार करना होगा। हम हमेशा बेहतर बनने की कोशिश करते रहना चाहते हैं और आम लोगों तक अपनी पहुंच बढ़ाना चाहते हैं। 2026 में आयोजित आठवां संस्करण और अधिक जगहों पर, ज्यादा सहभागिता के साथ, बड़े पैमाने पर आयोजित किया जाएगा। हम वडोदरा, सूरत, राजकोट और भुज जैसे शहरों में और दिन जोड़ सकते हैं। हम यह भी आशा करते हैं कि भविष्य में हम अपना स्वयं का स्थान विकसित कर सकें - अभिव्यक्ति के लिए एक स्थायी घर, जहां कला गतिविधियां पूरे साल भर जारी रह सकें।

क्या बच्चों के लिए विशेष कार्यक्रम थे?

बिल्कुल। लगभग 2300 बच्चों ने उनके लिए विशेष रूप से तैयार सत्रों में भाग लिया। सबसे संतोषजनक क्षणों में वे पल शामिल थे जब बहुत छोटे बच्चे कलाकारों के निकट आने के लिए मंच पर आ गए और कलाकारों ने भी इस आत्मीयता को प्रोत्साहित किया। बच्चों का उत्साह भविष्य में इन कार्यक्रमों के और विस्तार का संकेत देता है।

आप खाने का अनुभव भी क्यूरेट करते हैं?

हां, हर साल। खाना बेहतर दर्जे और यथोचित मूल्य का होना चाहिए, इसका ख्याल हम रखते हैं। हम वेंडर से कोई किराया नहीं लेते। खाने में अहमदाबाद की झलक मिलती है - शाकाहारी मिठाई, पॉकेट-फ्रेंडली स्नैक्स, पौष्टिक खाना और बहुत कुछ।

आपका परिवार आपकी पहल से कैसे जुड़ता है?

हर दिन, कहीं न कहीं वे इस पहल के सकारात्मक प्रभाव के बारे में सुनते हैं, तो उन्हें गर्व महसूस होता है। जब हम दूसरे शहरों के लोगों को यह कहते हुए सुनते हैं कि अहमदाबाद को अभिव्यक्ति का सौभाग्य मिला है, तो हम गौरवान्वित होते हैं। सच कहूं, तो, सब कुछ सिर्फ मेरे परिवार के प्रोत्साहन और समर्थन की वजह से ही मुमकिन है।

क्या आपको उम्मीद थी कि कला इस तरह पूरे शहर को एकजुट कर देगी?

हमने इसकी आशा की थी और इसके लिए लगातार प्रयास भी किए, लेकिन इतनी व्यापक प्रतिक्रिया की कल्पना नहीं थी। पहले संस्करण में 25 दिनों के दौरान लगभग 8,000 दर्शक आए। समय के साथ हमने कलाकारों को बेहतर सहयोग देने के लिए क्यूरेटर और मेंटर की संरचना में सुधार किया, कलाकारों को यह भी समझाया कि दर्शकों का सम्मान आवश्यक है और उन्हें प्रतीक्षा में नहीं रखा जा सकता। इसी निरंतर प्रक्रिया का परिणाम यह रहा कि कलाकारों के आवेदन बढ़े, कार्यक्रमों की गुणवत्ता और समृद्ध हुई और दर्शकों की संख्या लगातार बढ़ती गई।

जब अपेक्षाएं ऊंचाई पर हैं, तो अगले वर्ष इसे और आगे कैसे ले जाने की योजना है?

हमारे लिए यह आयोजन शहर और समाज को लौटाने की सच्ची भावना से प्रेरित है। हर वर्ष दर्शकों का बढ़ता उत्साह और संख्या हमें और बेहतर करने की ऊर्जा देती है। कलाकारों के बढ़ते आवेदन बताते हैं कि यह मंच पूरे भारत में व्यापक रूप से पहुंच रहा है। हमारा उद्देश्य कलाकारों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देना और दर्शकों को कला की सामूहिक खोज का आनंद कराना है।

सपना मेहता

> हर साल, हम खुद को चुनौती देते हैं और दर्शकों का बढ़ता उत्साह व संख्या हमें अगले वर्ष और अधिक करने की प्रेरणा देती है। हमारा उद्देश्य कलाकारों को एक मंच और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देना तथा दर्शकों को मिलकर कला की खोज का आनंद प्रदान करना है। - सपना मेहता

@priyankachopra

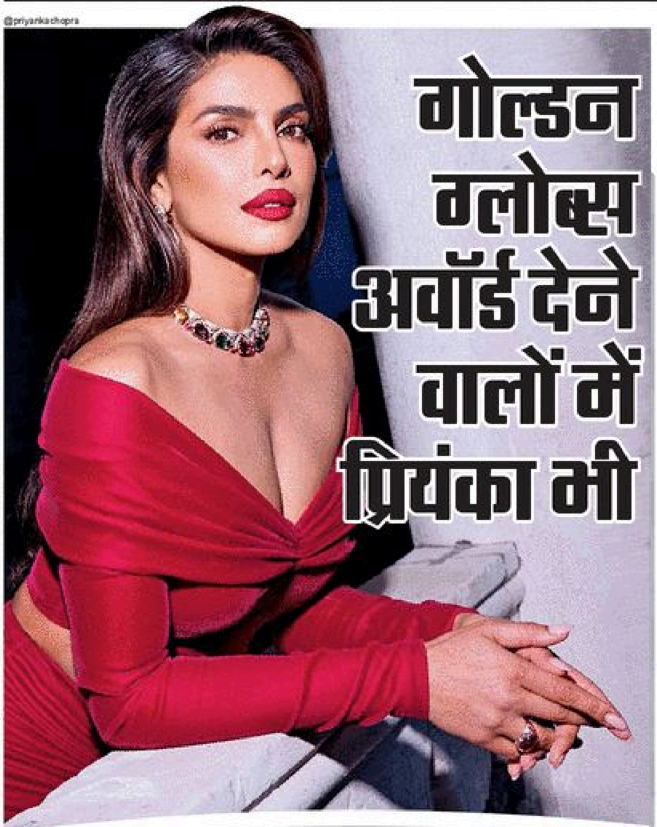

गोल्डन ग्लोब्स अवॉर्ड देने वालों में प्रियंका भी

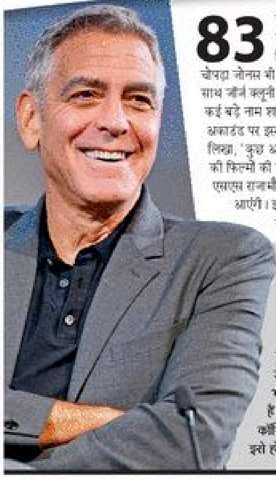

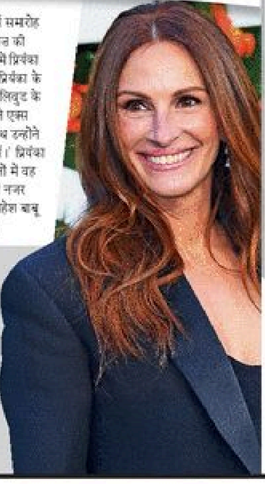

83 वें गोल्डन ग्लोब्स अवॉर्ड्स समारोह में अवॉर्ड प्रेजेंटर सिलेब्रिटीज की लिस्ट जारी हो गई है जिसमें प्रियंका चोपड़ा जोनस भी शामिल हैं। इस लिस्ट में प्रियंका के साथ जॉर्ज क्लूनी, जूलिया रॉबर्ट्स समेत हॉलिवुड के कई बड़े नाम शामिल हैं। गोल्डन ग्लोब्स ने एक्स अकाउंट पर इसकी घोषणा की। इसके साथ उन्होंने लिखा, 'कुछ अन्य गोल्डन ग्लोब्स प्रेजेंटर्स।' प्रियंका की फिल्मों की बात करें तो आने वाले दिनों में वह एसएस राजामौली की फिल्म वाराणसी में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ महेश बाबू लीड रोल में दिखाई देंगे।

ये भी हैं प्रेजेंटर्स

पामेला एंडरसन, ऑरलैंडो ब्लूम, माइली साइरस, स्नूप डॉग और केविन हार्ट भी प्रेजेंटर्स में शामिल हैं। वहीं स्टैंडअप कॉमेडियन निक्की ग्लेजर इसे होस्ट करेंगी।

Buzzstop

शिल्पा के पति राज कुंद्रा को कोर्ट ने भेजा समन

शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा को प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (PMLA) की स्पेशल कोर्ट ने समन भेजा है। यह समन बिटकॉइन क्रिप्टोकरंसी और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा है। आरोप है कि इसके जरिए धोखाधड़ी की गई है। कोर्ट ने राज कुंद्रा को 19 जनवरी को कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया है।

विजय की फिल्म जन नेता को अदालत से राहत नहीं

दलपति विजय की फिल्म जन नेता के लिए मद्रास हाईकोर्ट की सिंगल बेंच ने निर्देश दिया था कि सेंसर बोर्ड U/A सर्टिफिकेट जारी करे। लेकिन बाद में इस पर रोक लगा दी गई और मामले की सुनवाई 21 जनवरी तक टाल दी गई। कहा जा रहा है कि अब मेकर्स सुप्रीम कोर्ट में अपील की तैयारी कर रहे हैं।

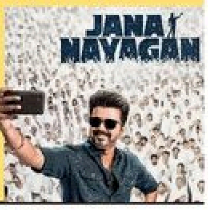

'ऑनलाइन ट्रोलिंग मुझे अब भी परेशान करती है'

मधु दैवोटा

रश्मिका मंदाना ने अपने करियर के नौ साल पूरे कर लिए हैं जिसमें उन्होंने 26 फिल्मों में काम किया। इस दौरान उनकी ज्यादातर फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया और उन्हें स्टार बना दिया। लेकिन रश्मिका कहती हैं कि उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि स्टारडम नहीं, बल्कि वह परिवार जैसा एहसास है जो उन्हें इस सफर में मिला है। हमसे बातचीत में रश्मिका ने 'नेशनल क्रश' का टैग मिलने, ऑनलाइन ट्रोलिंग का सामना करने और अपनी मानसिक सेहत पर खुलकर बात की। आने वाले दिनों में विजय देवरकोंडा से उनकी शादी की भी चर्चाएं हैं। ऐसे में जब हमने उनसे यह सवाल किया तो उन्होंने जोर से हंसते हुए कहा, 'मैं इसका जवाब नहीं देने वाली हूं।' इस तरह रश्मिका ने अपनी शादी को बेहद निजी रखा।

CONTINUED ON » BACK PAGE

> ऑनलाइन किया जाने वाला बुरा व्यवहार और क्रूरता मुझे अभी भी परेशान करता है। यहां लोग बिना आपको जाने भी इतना बुरा कर सकते हैं।

रश्मिका मंदाना

कांतारा और तन्वी भी ऑस्कर के योग्य फिल्मों में शामिल

फिल्म कांतारा चैप्टर 1 का एक सीन

भारत की कांतारा चैप्टर 1, महावतार नरसिम्हा और तन्वी द ग्रेट ने भी ऑस्कर के लिए रास्ता बना लिया है। यह तीनों फिल्में 98वें ऑस्कर अवॉर्ड्स के योग्य (एलिजिबल) 201 फिल्मों में शामिल हो गई हैं। ऑस्कर अवॉर्ड्स देने वाली संस्था द अकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज के अनुसार, यह फिल्में बेस्ट पिक्चर की रेस के लिए सभी मानकों पर खरी उतरी हैं। हालांकि, नॉमिनेशंस आने के बाद ही तय होगा कि ये फिल्में ऑस्कर अवॉर्ड्स की रेस में कहां तक पहुंचती हैं।

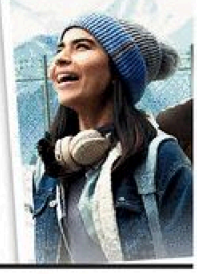

CCI NG 3.7 Product: HelloDelhiBS PubDate: 10-01-2026 Zone: HelloDelhi Edition: 1 Page: HDDPRD User: cci Time: 01-09-2026 15:32 Color:

'लोग क्या कहेंगे?' – किसे फ़र्क पड़ता है!

अकेले हैं तो कोई बात नहीं: सोलो मूवी नाइट्स का है अलग सुकूनभरा मज़ा

निहारिका लाल

फिल्म बनाने वाले और सिनेमा पसंद करने वाले लोग जानते हैं कि अकेले फिल्म देखने का एक अलग ही मजा है। जैसे, फिल्म टैक्सी ड्राइवर में ट्रैविस बिकल ऐसा करता है क्योंकि उसे किसी के साथ भी फिट होने में दिक्कत होती है या मैड मेन के डॉन ड्रेपर की कहानी में भी ये दृश्य कई बार दिखता है। एनी हॉल और मिडनाइट इन पेरिस जैसी फिल्मों के लिए अकेले थिएटर जाना खुद से बातें करने, सोचने और रुककर महसूस करने का मौका देता है। वहीं फिल्म सिनेमा पराडिसो में यह अनुभव ऐसा है जैसे दर्शक पूरी तरह फिल्म की दुनिया में खो जाता हो। द ड्रीमर में अकेले फिल्म देखना सिर्फ शौक नहीं, बल्कि एक तरह की आदत बन जाती है। आज की फिल्मों में भी यह भाव दिखता है। ऑल वी इमैजिन एज लाइट जैसी फिल्मों में थिएटर वह जगह बन जाती है, जहां इंसान अपने जज्बातों के साथ चुपचाप बैठ सकता है और किसी दूसरे की कहानी देखते हुए अपनी भावनाओं को खुलकर बहने दे सकता है। दुनियाभर की फिल्मों में यह दृश्य बार-बार लौटता है, अंधेरे हॉल में बैठा एक अकेला दर्शक, सामने बड़ी स्क्रीन और दिल के भीतर उठती भावनाओं की लहरें।

डायरेक्टर पायल कपाड़िया कहती हैं कि थिएटर वह जगह है, जहां आप अजनबियों के बीच रो सकते हैं। वह खुलापन, जो दोस्तों या परिवार के बीच नहीं मिलता। एक दर्शक के रूप में मैं ज्यादातर फिल्मों में रोती हूं और एक फिल्ममेकर के रूप में मैं वही अनुभव दर्शकों के लिए बनाना चाहती हूं। फायदे होने के बावजूद, अकेले थिएटर जाने में लोगों को अब भी हिचक होती है। लेकिन जो लोग इसे अपनाते हैं, उन्हें यह अनुभव मजेदार लगता है।

'अब मैं वही फिल्म अकेले देखती हूं, जिसका मुझे इंतजार रहता है'

कई सिनेमाप्रेमी कुछ फिल्में अकेले देखना ही पसंद करते हैं ताकि वह फिल्म पर खुद अपनी राय बना पाएं या फिल्म का अनुभव पूरी तरह से महसूस कर पाएं। 30 साल की दिव्या कहती हैं, 'जब मैं किसी के साथ फिल्म देखती हूं, तो मैं उसे उनके नजरिए से देखने लगती हूं और खुद सही तरह से जज नहीं कर पाती। जब भी मैं सच में किसी फिल्म को समझना चाहती हूं, तो अकेले जाती हूं। हाल ही में मैंने सैय्यारा अकेले देखी क्योंकि काफी हाइप थी और मुझे लगा कि इसने मुझ पर वैसा असर नहीं डाला। मैं चाहती हूं कि मेरी पहली राय मेरे अपने दिमाग से बने।' 20 साल की सबा परवीन भी इस बात से पूरी तरह सहमत हैं। वह बताती हैं, 'मुझे अपने गर्ल्स ग्रुप के साथ फिल्म देखना अच्छा लगता है और अकेले देखना भी। लेकिन मैं साफ हूं कि कौन सी फिल्म मैं साथ में नहीं देखूंगी। खासतौर से उन फिल्मों के लिए अकेले जाती हूं जिनका मैं सबसे ज्यादा इंतजार करती हूं।'

50 साल के दीपक चंदर कहते हैं, 'मैं हमेशा अकेले ही फिल्म देखने जाता हूं। बस कभी-कभी मैं खुद के लिए फिल्म नाइट का मजा लेना पसंद करता हूं।'

बहुत से लोग अकेले फिल्म देखते हैं

कई लोग अकेले फिल्म देखने जाते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि उनके दोस्त नहीं होते। बल्कि वे अपने समय पर नियंत्रण रख पाते हैं। 20 साल की अनिशा सूरी कहती हैं, 'हम अकेले पढ़ते हैं, जिम जाते हैं, खाना खाते हैं लेकिन फिल्म अकेले देखो, तो लोग तुरंत तुम्हें 'लूजर' कह देते हैं। मैं जानती हूं कि बहुत लोग ऐसे हैं, जो अकेले फिल्म देखने नहीं जाते, भले ही उन्हें छोड़नी ही पड़ जाए।' अनिशा बताती हैं कि पहले वह भी ऐसा ही सोचती थीं, लेकिन अकेले ट्रैवलिंग करने के बाद उनका नजरिया बदल गया। दोस्त बार-बार प्लान बदलते थे, इसलिए मैंने अकेले ही घूमना शुरू कर दिया। फिर मुझे अकेले फिल्म देखने में भी मजा आने लगा। आप अपनी सुविधा से जो प्लान बनाते हैं, उसे पूरा कर पाते हैं।' 90 के दशक की महिला गुनीत पाठक कहती हैं कि यह मुझे आजादी देता है अपने फैसला लेने के लिए। कौन सी फिल्म, कौन सा शो, कौन सा दिन आप अपने हिसाब से डिसाइड कर पाते हैं। फिल्म शुरू होने से ठीक पहले पहुंचती हूं। अगर फिल्म बोरिंग लगी, तो छोड़कर बाहर भी निकल सकती हूं।

'अच्छा नहीं लगता जब अकेलापन महसूस होता है'

कुछ लोग अकेले फिल्म देखने का मजा तो लेते हैं, लेकिन साथ में थोड़ी झिझक भी होती है। 50 साल की सीमा कहती हैं, 'मुझे फिल्म बिना किसी के पॉपअप कमेंट सुने देखना पसंद है। लेकिन कई बार अकेले होना अच्छा नहीं लगता। थिएटर में सब अपने परिवार, दोस्तों या डेट के साथ होते हैं और मैं अकेली जाती हूं, तो लगता है जैसे किसी पार्टी में हूं जहां किसी को नहीं जानती। थोड़ा आउटसाइडर फील होता है।' 40 साल के भाव्य शर्मा कहते हैं, 'एक बार 'लोग क्या कहेंगे' वाली सोच छोड़ दी, तो सब आसान हो जाता है। काम के अकेले लिए यात्रा करते हैं, तो अकेले फिल्म देखने में क्या बुराई है?'

FILM REVIEWS
NOW IN CINEMAS...

राजा साब का स्वाद मसालों से फीका पड़ा

द राजा साब
जॉनर: हॉरर-कॉमिडी, रोमांस
★½
निर्देशक : मारुति दसारी
कलाकार : प्रभास, निधि अग्रवाल, मालविका मोहन, रिद्धि कुमार, संजय दत्त, जरीना वहाब, बोमन ईरानी

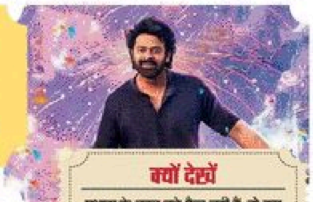

क्यों देखें
प्रभास के बहुत बड़े फैन नहीं हैं, तो इस फिल्म को देखने में पैसा बर्बाद न करें।

शॉर्ट रिव्यू
राजू, जिसे राजा साब कहा जाता है, वह अपनी दादी के साथ गांव में रहता है। उसकी दादी अक्सर लापता दादा कनकराजू को याद करती हैं। दादा से जुड़े रहस्यों को सुलझाने के लिए राजू घने जंगल में अपनी दादा की भूतिया हवेली जाता है, जहां उसका सामना भूत बन चुके अपने दादा से होता है। फिल्म के निर्देशक मारुति ने कहानी और स्क्रीनप्ले खुद लिखा है। शुरुआत हल्की-फुल्की है, लेकिन धीरे-धीरे कहानी बोझिल हो जाती है। हॉरर ज्यादा डरावना नहीं है, लेकिन कुछ कॉमेडी दृश्य हंसी जरूर लाते हैं। निर्देशक ने फिल्म में कई मसाले डाल दिए हैं, जिनकी ओवरडोज मजा कम कर देती है। कुछ सीन हॉलिवुड की फैंटेसी, पीरियड या साइंस एडवेंचर फिल्मों की याद दिलाते हैं। - प्रशांत जैन

ईश्वर और खुद में विश्वास जगाती फिल्म

लालो - श्रीकृष्ण सदा सहायते
जॉनर: ड्रामा
★★★
निर्देशक: अंकित सखिया
कलाकार: करन जोशी, रीवा रच, श्रुहद गोस्वामी

क्यों देखें
ईश्वर और आस्था वाली कोई फिल्म देखनी है, तो यह अच्छा विकल्प है।

शॉर्ट रिव्यू
पिछले दिनों रिलीज हुई लालो : श्रीकृष्ण सदा सहायते 100 करोड़ क्लब में पहुंचने वाली पहली गुजराती फिल्म बनी है। हाल ही में इसे हिंदी में भी रिलीज किया गया। कहानी लालजी धनसुख परमार उर्फ लालो (करन जोशी) की है, जो जूनागढ़ में पत्नी तुलसी (रीवा रच) और बेटी के साथ रहता है। तनाव के चलते वह शराब की लत में पड़ जाता है। एक दिन जूनागढ़ घूमने आए लालो नाम के यात्री (श्रुहद गोस्वामी) के साथ उसका सामना होता है। पत्नी से झगड़े के बाद घर छोड़ने पर वह एक फार्महाउस में फंस जाता है, जहां उसकी हालत बिगड़ जाती है। वहीं उसे गलतियों का एहसास होता है। निर्देशक अंकित सखिया की यह फिल्म ईश्वर और आत्मविश्वास के संदेश के साथ आगे बढ़ती है और सकारात्मक अंत तक पहुंचती है। - प्रशांत जैन

OTT REVIEW
NOW STREAMING...

सच्चे अपराधों पर आधारित डॉक्यू-ड्रामा

हनीमून से हत्या (सीज़न1)
जॉनर: थ्रिलर / मिस्ट्री
★★★½
निर्देशक: शचिंद्रा वत्स और अजितेश शर्मा
कलाकार: असली मामलों से जुड़े परिवारजन और पुलिसवाले।

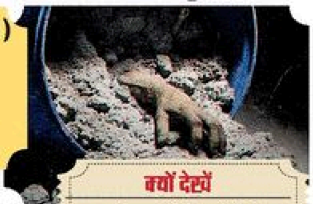

क्यों देखें
असली क्राइम में रुचि रखते हैं, तो यह सीरीज सिहरन देने वाला अनुभव है।

शॉर्ट रिव्यू
हनीमून से हत्या भारत के बढ़ते क्राइम कंटेंट की दुनिया में एक डरावनी लेकिन सोचने पर मजबूर करने वाली पेशकश है। पांच एपिसोड की इस डॉक्यू-ड्रामा सीरीज में उन असली मामलों को खंगाला गया है जिनमें शादी के कुछ समय बाद ही पत्नियों ने अपने पतियों की हत्या कर दी। सीरीज में सोनम राजा रघुवंशी, मेरठ ब्लू ड्रम केस, भिवानी इंफ्लुएंसर केस, मुंबई टाइल केस और दिल्ली इलेक्ट्रिक शॉक केस जैसे चर्चित मामलों को शामिल किया गया है। - अर्चिका खुराना

पूरा रिव्यू पढ़ने के लिए https://nbt.in/entertainment/movie-review.cms पर जाएं।

रेटिंग स्केल
बकवास ★ | औसत से कम ★★ | औसत ★★½ |
औसत से अधिक ★★★ | अच्छी ★★★½ | बहुत अच्छी ★★★★ |
आउटस्टैंडिंग ★★★★½ | मास्टरपीस ★★★★★

GALLERIA
TIMES interact

BOOK YOUR TENDER & NOTICE ADS
For booking please contact
Aman : 9312633518
TO BOOK ONLINE LOG ON TO
Ads.timesofindia.com

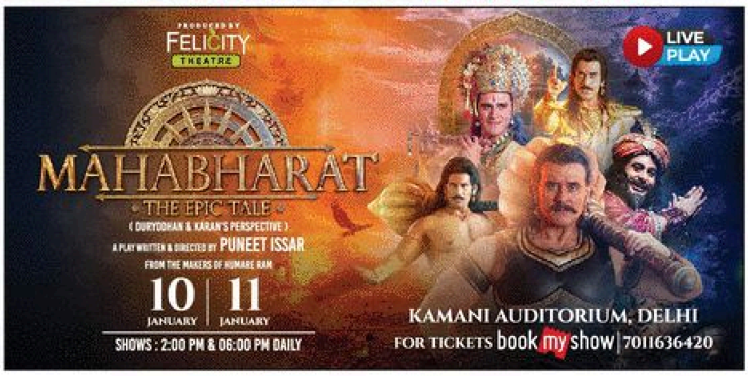

1. किस अभिनेता की अंतिम फिल्म इन दिनों अपनी रिलीज को लेकर विवादों में है?
A) रजनीकांत B) रणबीर कपूर
C) दलपति विजय

2. रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की कौन सी फिल्म रिलीज होगी?
A) ड्रैगन B) लव एंड वार C) फौजी

3. फिल्म हम आपके हैं कौन में कौन सी ऐक्ट्रेस नजर आई थीं?
A) माधुरी दीक्षित B) रवीना टंडन
C) करिश्मा कपूर

पिछले हफ्ते के फिल्मी क्विज के सही जवाब देने वालों के नाम हैं
■ नितीश कुमार ■ कमलेश सहगल
■ अभय देव ■ खुशी खंडेलवाल, रुचि

अपने जवाब नाम, सवाल नंबर और सही ऑप्शन (मसलन 1-C, 2-B) के साथ दें। सही जवाब देने वाले चुनिंदा पाठकों के नाम प्रकाशित होंगे। जवाब लिए QR कोड स्कैन करें या 9220747220 पर वॉट्सऐप करें या फिर dtmmresponse@timesofindia.com पर ईमेल करें।

क्या देखें, समझ नहीं आ रहा? हम लाए हैं आपके लिए मदद

साई ताम्हणकर
बता रही हैं एक साइ-फाइ मिस्ट्री और एक दमदार ड्रामा।

Silo: यह एक दिलचस्प साइ-फाइ मिस्ट्री है, जो एक डिस्टोपियन दुनिया में सेट है। कहानी जिस तरह धीरे-धीरे खुलती है, वह दर्शकों को बांधे रखती है। रेबेका फर्ग्युसन की परफॉर्मेंस शानदार है।

Emily In Paris: फैशन, ड्रामा, रोमांस और खूबसूरत लोकेशन्स-सब कुछ एक साथ। यह एक हल्की-फुल्की सीरीज है, खासकर उन लोगों के लिए जो फैशन और Pinterest जैसी एस्थेटिक चीजें पसंद करते हैं।

Baal Tujhyapayi: यह एक बेहतरीन मराठी सीरीज है, जो मेहनत, हौसले और सपनों की ताकत को दिखाती है। इसका निर्देशन मजबूत है, तकनीकी पक्ष शानदार है।

HOT TAKES

CCI NG 3.7 Product: HelloDelhiBS PubDate: 10-01-2026 Zone: HelloDelhi Edition: 1 Page: HDMONMAT User: cci Time: 01-09-2026 14:33 Color:

@kunalkemmu

बेटी इनाया को मैं बिगाड़ता हूं और सोहा सुधारती है: कुणाल खेमू

उपमा सिंह

बतौर चाइल्ड ऐक्टर करियर शुरू करने वाले कुणाल खेमू ने हर भूमिका में खुद को साबित किया है। हाल ही में एक बातचीत के दौरान जब हमने उनसे पूछा कि क्या उनकी प्रतिभा के साथ पूरा न्याय नहीं हुआ है तो उन्होंने कहा, 'कई बार मुझे भी ऐसा लगता है। जब आप उस जोन में रहते हैं तो आपको ऐसा लगता है, लेकिन अब जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं तो मुझे लगता है कि हमारी जिंदगी में जो कुछ होता है, वह किसी वजह से ही होता है। अगर मुझे उस दबाव में नहीं डाला जाता तो मैं शायद लिखता नहीं। मैं शायद गाने नहीं लिखता, गाने नहीं बनाता, फिल्ममेकर नहीं बनता। तो मैं यह मानता हूं कि जब हम ऊपरवाले से यह कहते हैं कि मुझे मौके दो तो वह ऐसे सीधे उठाकर नहीं दे देता। वह आपको जिंदगी में बहुत सारी चीजें सीखने का मौका देता है। फिर एक पड़ाव या एक उम्र में आपको अहसास होता है कि मेरे साथ वह सारी चीजें इसीलिए हुईं ताकि मैं वहां पर पहुंच सकूं।'

> बतौर एडल्ट ऐक्टर मुझे 20 साल हो गए है। मेरे साथ कई ऐसे लोग आए थे जो अब इंडस्ट्री में काम नहीं कर रहे हैं

'आप सिर्फ खुद को बदल सकते हैं'

इस बातचीत में कुणाल ने माना कि गोलमाल जैसी कॉमिडी फ्रैंचाइजी का हिस्सा होने से इंडस्ट्री में उनके लिए मौके सीमित हो गए। जब कुणाल से पूछा कि कॉमिडी फिल्मों में अपनी पैठ बनाने से क्या बतौर ऐक्टर नुकसान हुआ? तो उन्होंने कहा, 'बिल्कुल, मुझे भी कभी-कभी ऐसा लगता है। कई बार यह भी लगता है कि यार मैं बतौर अभिनेता अलग चीजें करना चाहता हूं, पर ऐसा न हो कि वह समय चला जाए और मेरी वह चीजें करने की उम्र ही न रहे। बाकी मुझे लगता है कि कुछ बुरा होना होता तो आज अडल्ट ऐक्टर के तौर पर भी मुझे 20 साल हो गए। मेरे साथ और मेरे बाद कई ऐसे लोग आए थे जो अब इंडस्ट्री में काम नहीं कर रहे हैं। उसकी मुझे वजह नहीं पता है, पर मुझे बस इतना पता है कि जिंदगी में आप सिर्फ अपने को बदल सकते हैं। अपने ऊपर काम कर सकते हैं। बाकी आपके हाथ में कुछ नहीं है।

बेटी इनाया के साथ खेलते हुए कुणाल खेमू

'मैं एक फ़न पैरंट हूं'

बीते दिनों कुणाल की सीरीज सिंगल पापा रिलीज हुई, जिसमें वह सिंगल फादर बने हैं। जब उनसे पूछा गया कि वह बेटी इनाया की परवरिश में किस तरह भूमिका निभाते हैं? तो कुणाल ने कहा कि उन्होंने अपनी पत्नी सोहा अली खान के साथ बतौर पैरंट्स जिम्मेदारियां बांट ली हैं। बकौल कुणाल, 'मेरा मानना है कि हर कपल के बीच एक समझदारी होनी चाहिए जिससे आप एक दूसरे के स्पेस में न आएं। आपको तय करना पड़ेगा कि अच्छा वो यह काम करने में बेहतर है और मैं यह। जैसे हम घर चलाने में करते हैं ना कि जिम्मेदारियां बांट लेते हैं। तो हमने वैसे बांट लिया है। मैं इसमें फन पैरंट हूं। मैं इनाया के साथ मस्ती करता हूं और जो डिसिप्लीन करने का काम है वो सोहा ज्यादा करती हैं। मैं बिगाड़ने वाले में से हूं, वो सुधारने वाले में से है।'

हम चाहते हैं हमारे बच्चे बड़े होकर नेपो किड्स बनें: पुलकित

@pulkitsamrat

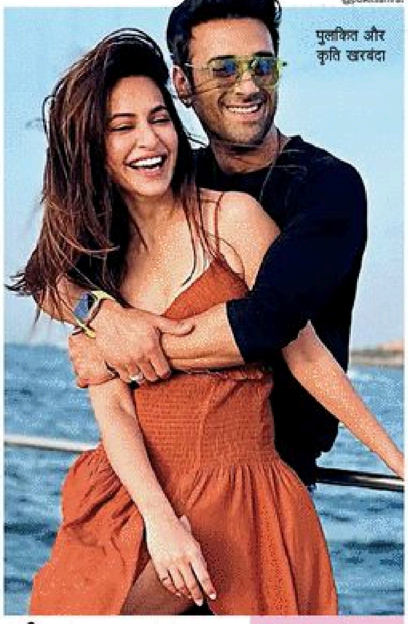

पुलकित और कृति खरबंदा

इंडस्ट्री में नेपो किड्स को मौके मिलने को लेकर हमेशा बहस छिड़ी रहती है। अब इस पर पुलकित सम्राट ने भी अपनी राय रखी है। उन्होंने एक बातचीत में कहा है कि वह और उनकी पत्नी कृति खरबंदा बतौर एक आउटसाइडर इस इंडस्ट्री में आए और अब वे चाहते हैं कि उनके बच्चे नेपो किड्स हों। बकौल पुलकित, 'यह हमारे लिए बहुत बड़ी खुशकिस्मती है कि हम दोनों एक ही इंडस्ट्री से हैं। हमने कड़ी मेहनत से अपनी-अपनी पहचान बनाई है और हम दोनों ही बाहर से आए हैं। तो मेरी और कृति की सीधी-सी सोच यह है कि हमारे बच्चे नेपो किड्स कहलाएं।'

> हमने खुद की पहचान बनाई है और हम बाहर से आए है। तो मेरी और कृति की सोच है कि हमारे बच्चे नेपो किड्स कहलाएं

@aftabshivdasani

TRIPPIN'

आफताब शिवदसानी बीते दिनों स्कॉटलैंड घूमने गए। अपनी इस ट्रिप की कुछ फोटोज उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर कीं। इन तस्वीरों में वह कहीं बेंच पर बैठे हुए खुश नजर आ रहे हैं, तो कहीं किसी खूबसूरत गार्डन में टहलते हुए दिख रहे हैं।

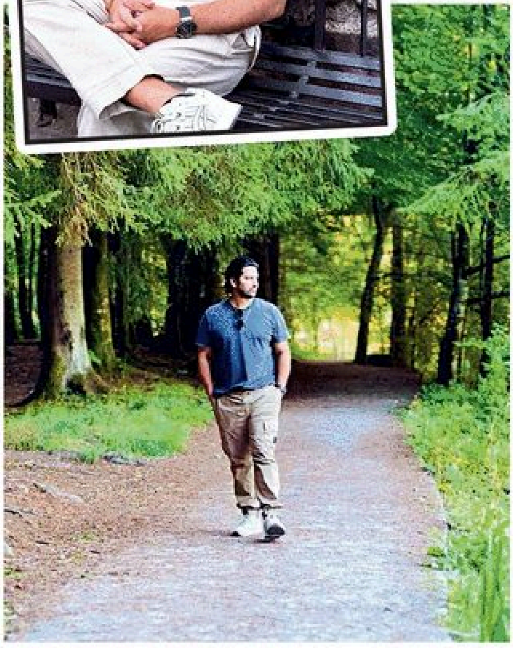

@avikagor

अविका गौर ने प्रेंग्नेंसी की खबरों को किया खारिज

अविका गौर ने अपनी प्रेग्नेंसी की खबरों को सिरे से खारिज कर दिया है। मिलिंद चांदवानी संग उनकी शादी के महज चार महीने बाद ही उनकी प्रेग्नेंसी की अटकलें लगाई जा रही थीं। इन खबरों पर अविका ने साफ कहा कि इसमें कोई सच्चाई नहीं है। अविका ने कहा, 'नहीं, यह बिल्कुल भी सच नहीं है। यह खबर मेरे लिए भी नई थी।' उन्होंने बताया कि ऐसी बेबुनियाद खबरों से वह नाराज नहीं हुईं, बल्कि उन्हें यह काफी मजेदार लगा। उन्होंने कहा, 'मिलिंद और मैं इस खबर पर साथ मिलकर खूब हंसे। इतने भरोसे के साथ ऐसी खबरें फैलाई जा रही हैं, यह वाकई हैरान करने वाला और मजेदार है।' गौरतलब है कि अविका गौर ने जून 2025 में आन्त्रप्रन्योर मिलिंद चांदवानी से सगाई की थी और 30 सितंबर 2025 को शादी रचाई। खास बात यह रही कि कपल ने अपनी शादी रिएलिटी शो पति, पत्नी और पंगा के सेट पर की।

> मिलिंद और मैं इस पर साथ मिलकर खूब हंसे। इतने भरोसे के साथ इन खबरों को फैलाया जा रहा है, यह वाकई में मज़ेदार है

Photos: Social Media

अलग हुए वीर-तारा, खुशी का भी ब्रेकअप!

वीर पहाड़िया और तारा सुतारिया

खुशी कपूर संग वेदांग रैना

हाल ही में एपी ढिल्लों के कॉन्सर्ट को लेकर चर्चा में रही बॉलिवुड की चर्चित जोड़ी तारा सुतारिया और वीर पहाड़िया के ब्रेकअप की खबरें आ रही हैं। इतना ही नहीं, बल्कि खुशी कपूर और वेदांग रैना के अलग होने की खबरें भी हैं। हालांकि दोनों ही कपल ने अभी तक इस बारे में कुछ नहीं कहा है।

तारा सुतारिया और वीर पहाड़िया पिछले काफी समय से साथ थे। तारा सुतारिया और वीर पहाड़िया के ब्रेकअप की खबर को कुछ लोग एपी ढिल्लों के कॉन्सर्ट वाली विडियो से जोड़ कर देख रहे हैं। यह विडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था और उनके फैंस भी दोनों को लेकर कई तरह के रिएक्शन्स दे रहे थे। हालांकि बाद में वीर और तारा सुतारिया ने इस वायरल विडियो को एडिटेड बताया था और यह भी कहा था कि उन दोनों के बीच सब कुछ ठीक है। हालांकि क्या यही ब्रेकअप की वजह है, इस बारे में कुछ नहीं पता लग है। वहीं खुशी कपूर और वेदांग रैना अपनी डेब्यू फिल्म आर्चीज के समय से साथ थे। हालांकि दोनों ने कभी अपनी रिलेशनशिप कन्फर्म नहीं की लेकिन अब अचानक उनके ब्रेकअप की खबरें आ रही हैं। इनके ब्रेकअप को लेकर भी इंटरनेट पर तमाम प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। हालांकि इस ब्रेकअप की क्या वजह है, इस बारे में भी अभी तक कुछ पता नहीं लग पाया है।

फोर्ब्स इंडिया 30 अंडर 30 लिस्ट में अनीत-लक्ष्य

@aneetpadda_

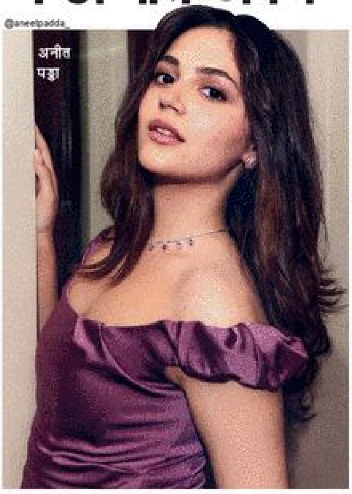

अनीत पड्डा

इस साल की फोर्ब्स इंडिया 30 अंडर 30 की लिस्ट आ गई है। इसमें 15 कैटेगरी में 30 साल से कम उम्र के लोगों को शामिल किया गया है। इसमें बिजनेसमैन, प्रोफेशनल्स, स्पोर्ट्स और एंटरटेनमेंट से जुड़े लोग हैं। लिस्ट में बॉलिवुड से अनीत पड्डा, लक्ष्य लालवानी और अभय वर्मा का नाम भी है। अनीत को 2025 में सैयारा फिल्म से खूब पॉपुलैरिटी मिली थी जबकि यह उनकी डेब्यू फिल्म थी। इसमें अहान पांडे भी थे।

लक्ष्य ने फिल्म किल से बॉलिवुड में कदम रखा था। मगर पॉपुलैरिटी उन्हें शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान की डेब्यू वेब सीरीज बैड्स ऑफ बॉलिवुड से मिली। वहीं अभय की मुंज्या ने भी बॉक्स ऑफिस पर खूब तहलका मचाया था। इसके अलावा म्यूजिशियंस संजू राठौड़ और यशराज मेहरा ने भी इस लिस्ट में जगह बनाई है। यशराज मेहरा रैपर-राइटर हैं और एक उभरते हुए कलाकार भी हैं।

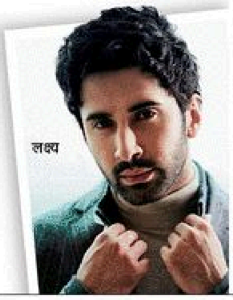

लक्ष्य

'असल में मैं इंट्रोवर्ट हूं, मुझे अपने घर पर रहना पसंद है'

2014 में रश्मिका मंदाना ने बेंगलुरु टाइम्स फ्रेश फेस का खिताब जीता, जिसके बाद मॉडलिंग में उनकी एंट्री हुई

रश्मिका मंदाना

CONTINUED FROM 1

रश्मिका का कहना है, 'आप मुझे नेशनल और इंटरनैशनल कार्यक्रमों में देख सकते हैं लेकिन असल में मैं एक इंट्रोवर्ट हूं। बाकी दुनिया मानती है कि मैं सबसे जल्दी घुलमिल जाती हूं और हां, पब्लिक इवेंट्स में मैं खुद को ठीक-ठाक संभाल भी लेती हूं। लेकिन जब काम खत्म हो जाता है, तब मैं बहुत कम बाहर निकलती हूं। मुझे घर पर रहना पसंद है, अपने उन करीबी लोगों के साथ, जो मुझे सच में जानते हैं। मैं पूरी तरह मानती हूं कि आपके आसपास की एनर्जी बहुत महत्व रखती है। आप स्वाभाविक रूप से उन्हीं लोगों की ओर आकर्षित होते हैं, जिन्होंने शायद आप जैसी ही मानसिक चोटों का सामना किया हो और जो आपकी तरह ही उनसे उबर रहे हों। इस साझा माहौल में हम आगे बढ़ते हैं और खुद को पूरा करते हैं। मेरी परवरिश और उसके बाद के हॉस्टल जीवन ने मुझे बेहद मजबूत और सहनशील बना दिया है।'

'नहीं पता नैशनल क्रश का खिताब कब मिला'

फैंस ने रश्मिका मंदाना को नैशनल क्रश का टैग भी दिया है। इस पर रश्मिका हंसती हैं और कहती हैं, 'मुझे खुद नहीं पता कि यह लेबल मुझे कब मिल गया। फैंस से मिला प्यार मुझे बहुत ही अजीज है और अगर यह टैग मुझे उनके प्यार की वजह से मिल रहा है तो मैं पूरी विनम्रता के साथ इसे स्वीकार करती हूं। मुझे यह टैग पसंद है क्योंकि यह बताता है कि उनके दिलों में मेरे लिए कितना प्यार है। लेकिन क्या मुझे इससे बंधा हुआ महसूस होता है? बिल्कुल नहीं। मेरे बारे में अभी भी लोगों को बहुत कुछ नहीं पता। सोशल मीडिया की वजह से लोगों को लगता होगा कि वह मुझे जानते हैं लेकिन जो कुछ ऑनलाइन है, वह मुश्किल से 50 फीसदी है। बहुत-सी बातें मैं अपने तक ही रखती हूं और मैं किसी भी लेबल को खुद को दायरे में नहीं बांधने देती।'

'भूमा की कहानी याद दिलाती है कि महिलाएं क्या-क्या सहती हैं'

उनकी पहली सोलो फिल्म द गर्लफ्रेंड उनके लिए बेहद निजी है। उन्होंने कहा, 'लंबे वक्त तक मैं यह बयान ही नहीं कर पाई कि मैं क्या महसूस कर रही हूं। लेकिन जब राहुल रविंद्रन ने स्क्रिप्ट सुनाई, तो मेरी आंखें भर आईं। उसमें ऐसे भाव और शब्द थे, जिन्हें मैं कभी समझा नहीं पाई थी। काश, मैंने यह फिल्म कम उम्र में की होती, लेकिन शुक्रगुजार हूं कि यह अब हुई।' वह आगे कहती हैं, 'मर्दानगी और बुरे व्यवहार में बहुत अंतर होता है। पुरुष होने का मतलब किसी महिला को चुप कराना या यह तय करना नहीं है कि वह कैसे बोले, क्या पहने या कैसे व्यवहार करे। भूमा जो झेलती है, वह मैं अपने सबसे बड़े दुश्मन के लिए भी नहीं चाहूंगी। यही वजह है कि मैं भविष्य में मेंटल हेल्थ से जुड़ा कुछ करना चाहती हूं। फिल्म देखने के बाद कई युवा लड़के-लड़कियों ने मुझे लिखा है कि वे भी ऐसे हालातों से गुजरे हैं।'

विजय और रश्मिका पहली बार 2018 में गीता गोविंदम में साथ नजर आए थे

> मैं कन्नड़ फिल्में करना चाहती हूं। भाषा चाहे जो भी हो, अगर कोई फिल्ममेकर मुझे ऐसी कहानी ऑफर करता है जिसे मैं ठुकरा न सकूं, तो मैं उसके साथ काम करना पसंद करूंगी

NOTE : -

[: राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi,]

English NEWSPAPERS
[Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

whatsapp Group ka link pane ke liye
Newspaper_pdf_bot par jaye.

Click here to contact:-https://t.me/Newspaper_pdf_bot
Or type in Search box of Telegram
@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel
BACKUP GROUP LINK
https://t.me/joinchat/5P9EL1JaqoYzNTI1

Hindi-English News Paper Website:- onlineftp.in